शिकायत पत्र

विषय: फर्जी तरीके से SMC का गठन, स्कूल में गेस्ट रूम का निर्माण, SMC में 90% महिलाओं का चयन, प्रिंसिपल रूम का सीसीटीवी कैमरा हमेशा बंद रहता है।

नमस्कार,

आदरणीय, School Management Committee यानी SMC के चुनाव 8.5.2025 को रद्द होने के बाद पुनः नई तारीख के साथ घोषणा की गई है।

मान्यवर, आपसे एक सवाल पूछना है कि जिन अभिभावकों ने 8.5.2025 को होने वाले चुनाव के लिए नॉमिनेशन किया था क्या वह नॉमिनेशन 6.8.2025 को होने वाले चुनाव के लिए मान्य है? क्योंकि सर्वोदय विद्यालय FU ब्लॉक पीतमपुरा के प्रिंसिपल कर्मवीर सिंह का यह कहना है कि जिन अभिभावकों ने पिछली तारीख को होने वाले चुनाव के लिए नॉमिनेशन किए थे वह दोबारा से नॉमिनेशन नहीं कर सकते। क्या यह सर्कुलर में मेंशन है? क्योंकि सर्कुलर में हमने जो देखा है उसमें नॉमिनेशन की प्रक्रिया फिर से करने के लिए दी गई है और 31 तारीख यानी 31 जुलाई नॉमिनेशन की अंतिम तारीख दी गई है तो मैं शिक्षा विभाग और दिल्ली सरकार से पूछना चाहता हूं कि जिन अभिभावकों ने 8.5.2025 को होने वाले चुनाव के लिए नॉमिनेशन दिए थे क्या वह मान्य है और जिन अभिभावकों के नॉमिनेशन कैंसिल कर दिए गए थे क्या वह फिर से यानि इस बार 6.8.2025 को होने वाले चुनाव में नॉमिनेशन भर सकते हैं ?

आपसे सादर अनुरोध है कि इस विषय पर रोशनी डालकर हमें अवगत कराएं। यह सवाल मैं आप सभी से इसलिए कर रहा हूं क्योंकि यह सर्वोदय विद्यालय पीतमपुरा FU ब्लॉक के प्रिंसिपल कर्मवीर सिंह अपनी मनमर्जी से SMC का चुनाव कराते हैं और उन अभिभावकों के ही नॉमिनेशन फॉर्म पास करते हैं जो उनके कहने में चलें और जहां प्रिंसिपल सर कहे वहां साइन करें अगर कोई एसएमसी मेंबर उनके कहने में नहीं चलता और किसी बात को लेकर ऑब्जेक्शन उठाता है तो उसके खिलाफ कर्मवीर सर एक्शन या उसको बदनाम करने की साजिश शुरू कर देते हैं। ऐसा हमे पिछली बार की SMC में देखने को मिला है, प्रधानाचार्य कर्मवीर सर की एमसी में 90% महिलाएं होती हैं।

कर्मवीर सर पिछली SMC में भी केवल दो ही पुरुष सदस्य थे बाकी सब महिलाएं थी, महिलाएं मीटिंग में ना आकर आगे पीछे आती थी जिस दिन मीटिंग होती थी उस दिन महिलाएं नही आती थी तारीख के 1 या 2 दिन बाद आकर के वह साइन करके चली जाती थी जिससे यह साबित हो सके कि वह मीटिंग में आई थी।

जिस तरीके से कर्मवीर सर द्वारा SMC बनाई जा रही है और चलाई जा रही है यह बहुत गलत है। इसके अलावा सीएमसी का जो फंड आता है, जो पैसा सरकार देती है उसका कोई ब्यौरा किसी भी सदस्य को नहीं दिया जाता और मीटिंग में सिर्फ यह बात कह कर टाल दिया जाता था कि इतना पैसा आया और इतना खर्च हो गया और अब हमारे पास SMC का फंड नहीं बचा है वह ख़त्म हो गया है, तो इस तरीके से सारा पैसा प्रिंसिपल सर गमन कर जाते हैं इस पैसे का हिसाब किसी भी सदस्य को नही दिया जाता, अगर कोई मेरे जैसा इंसान इस बारे में सवाल पूछता है तो वह बुरा बन जाता है जैसे कि मैं इस वक्त बुरा बना हुआ हूं अभी फिर से चुनाव होने हैं तो मैंने प्रिंसिपल सर को कॉल किया कि सर फॉर्म दे दीजिए फॉर्म भरने हैं नॉमिनेशन करना है तो प्रिंसिपल सर का सिर्फ एक ही कहना था कि जिन अभिभावकों ने पिछले चुनाव के लिए नॉमिनेशन फॉर्म भरे थे वह अब दोबारा से फॉर्म नही भर सकते और जिनके नॉमिनेशन फॉर्म कैंसिल हुए थे वह भी दोबारा नॉमिनेशन नही कर सकते, तो मैं एजुकेशन विभाग और दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता से पूछना चाहता हूं और विनम्र विनती करता हूं कि मुझे इस मुद्दे पर स्पष्ट करें कि क्या अभिभावक को इतना हक़ नहीं है कि

वह स्कूल के हित के लिए नॉमिनेशन करके और SMC सदस्य बनकर स्कूल की सेवा करे? जबकि अभिभावक SMC का सदस्य बनकर बिना किसी वेतन के स्कूल की सेवा करता है।

प्रिंसिपल सर का तो सीधा-सीधा मकसद यह है कि जो पैसा SMC फंड का आता है उसको गमन करना है इसीलिए ऐसी एसएमसी का गठन करते हैं जो SMC के बारे में जानते ही नही और जो प्रिंसिपल सर से सवाल-जवाब ना करें और जैसा प्रिंसिपल सर कहें SMC वैसा ही करें।

इसीलिए मैं आप सभी से यह अनुरोध करता हूं कि आप इस गंभीर मुद्दे को अपने संज्ञान में लेकर और अपने स्तर पर जांच करके इस पर कार्रवाई करने की कृपा करें।

एक मुद्दा मैं आपको और बताना चाहता हूं कि प्रिंसिपल सर 24 घंटे स्कूल में रहते हैं कभी स्कूल से रात को 8:00 बजे जाते हैं, कभी 10:00 बजे, कभी 12:00 बजे, इस वक्त में कुछ ऐसे लोग मिलने भी आते हैं जिनका मैं इस पत्र में जिक्र नहीं कर सकता, मगर स्कूल के हित नही है और इसके भविष्य में दुष्परिणाम हो सकते हैं।

दूसरा एक मुद्दा और है कि स्कूल के अंदर एक गेस्ट हाउस बनाया जा रहा है वह गेस्ट हाउस किसके लिए बनाया जा रहा है वहां रात में कौन रुकेगा ? कौन से स्कूल में गेस्ट हाउस है, स्कूल में गेस्ट हाउस की क्या जरूरत है यह भी एक मुद्दा बहुत बड़ा है तो मैं आप सबसे यही रिक्वेस्ट करता हूं कि आप इस मुद्दे को अपने संज्ञान में लेकर और अपने स्तर पर इसकी जांच करके इस मुद्दे पर कार्रवाई करने की कृपा करें क्योंकि जिस तरीके से फिलहाल स्कूल में जो कुछ चल रहा है वह स्कूल के हित के लिए ठीक नहीं है तो बस मैं आपसे इतना ही कहूंगा कि आप इस पर ध्यान दें और हो सके तो प्रिंसिपल सर का ट्रांसफर करके किसी और प्रिंसिपल को इस स्कूल में लाया जाए क्योंकि इस स्कूल में लड़के और लड़कियां दोनों पढ़ते हैं तो इसमें एक फीमेल प्रिंसिपल का होना भी बहुत जरूरी है क्योंकि लड़कियां हैं तो फीमेल प्रिंसिपल का होना भी अति आवश्यक है तीसरा मुद्दा एक और है की स्कूल में अधिकतर कैमरे बंद रहते हैं इसके अलावा लाइट का मुद्दा है गेट पर कई सालों से लाइट नहीं है बिजली नहीं है गेट पर हमेशा अंधेरा रहता है अब उसी अंधेरे में रात को प्रिंसिपल सर आते हैं कभी 9:00 बजे जाते हैं कभी 8:00 बजे जाते हैं कभी 12:00 बजे जाते हैं वह क्या करते हैं।

वह तो वही जाने लेकिन अगर इसी तरीके से स्कूल में चला रहा तो वह दिन दूर नहीं जब इस स्कूल में कोई कांड होगा या ऐसा कोई काम होगा जो स्कूल के हित में नहीं होगा, तो मेरी एजुकेशन डिपार्टमेंट और दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी से अनुरोध है कि इस मुद्दे को संज्ञान में लें और अपने स्तर पर जांच करके कार्रवाई करें। धन्यवाद!

शिकायतकर्ता
अजय शास्त्री
(पत्रकार व अभिभावक)
Email: ajayshastrijournalist@gmail.com
Mob: 9310252692

Copy sent to,

- **Mrs. Rekha Gupta, Chief Minister of Delhi**
- **Ms. Veditha Reddy (DIRECTOR EDUCATION)**
- **Delhi Directorate of Education**
- **Education Department, GNCT of Delhi**
- **Shri Ashish Sood, Cabinet Minister, Government of Delhi**
- **Education Officer Zone - 11 (District North West-B)**